www.wagadsandesh.com

वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-272 सागवाड़ा,शुक्रवार,24 जून, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

चितरी स्कूल के बाबू ने अपने एरियर बिल के नाम पर करोड़ों खाते में डाले

चितरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का मामला, बाबू के खाते में पड़े 2 करोड़ से अधिक की राशि सीज

सागवाड़ा। चितरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बाबू हेमंत कुमार पाटीदार ने अपने ही एरियर के बिल बना कर करोड़ों की राशि अपने खाते में जमा कराने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग सकते में हैं। मामला सामने आने के बाद जिला कोषाधिकारी जितेन्द्र मीणा ने सागवाड़ा पहुंच कर इसकी जांच शुरू कर शिक्षा विभाग को अवगत कराया है। इधर, प्रिंसिपल प्रवीण भट्ट ने स्कूल के बाबू हेमन्त पाटीदार के खिलाफ चितरी थाने में मामला दर्ज कराया है। जिला कोषाधिकारी जितेन्द्र मीणा की माने तो फर्जी ट्रांजेक्शन का यह खेल 30 मई 2022 से शुरू हुआ, जब 6 लाख 70 हजार रुपए बाबू ने अपने खाते में डाले। इसके बाद 20 जून को करीब 62 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन किया गया। जब उसी खाते में 54 लाख के तीन ट्रांजेक्शन उसी खाते में हुए तो बैंक ने शक के आधार पर सूचना दी और यह गड़बड़ी पकड़ में आ सकी। जिला कोषाधिकारी जितेन्द्र मीणा की माने तो स्कूल के बाबू हेमंत कुमार पाटीदार के ओबरी स्थित बैंक आफ बड़ौदा के खाते को सीज कर दिया गया है जिसमें 2 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पड़ी है। बाबू हेमंत ने गुरुवार दोपहर को उसी खाते से 10 लाख रुपये निकाले थे। जिला कोषाधिकारी जितेन्द्र मीणा की माने तो 30 मई के बाद बाबू हेमंत के खाते में ट्रांजेक्शन बढ़ गया था ऐसे में अब तक की जांच में यह कहां जा सकता है कि 30 मई के बाद बाबू हेमंत के खाते में जो भी ट्रांजेक्शन हुआ है वह फ्राड की श्रेणी में है। इस पूरे मामले में उप जिला कोष कार्यलय सागवाड़ा की लापरवाही भी है जिसकी जांच भी की जा रही है। बाबू हेमंत के खिलाफ जो भी कार्रवाई होगी वह शिक्षा विभाग की ओर से की जाएगी। एक दिन में ही आब्जेक्शन, क्लीयर, टोकन, बिल पास और खाते में राशि आई गई ? इस पूरे मामले में कोष कार्यालय की संक्रियता से उनकी मिलीभगत हो सकती है। स्कूल के बाबू के खिलाफ प्रिंसिपल प्रवीण भट्ट ने चितरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में प्रिंसिपल ने बताया कि बाबू हेमंत ने उनके फर्जी डिजीटल हस्ताक्षर और फर्जी बिल बना कर गबन किया है। इसकी जानकारी उनको नहीं है।

जब कोष कार्यालय में उन्हें बुलाया गया और बिल दिखाते तब पता चला कि बिलों पर फर्जी हस्ताक्षर किये गये है। प्रिंसिपल प्रवीण भट्ट ने बताया कि आमतौर पर बिल में आब्जेक्शन आने पर या फिर पास होने पर समय लगता है लेकिन यहां तो जिस दिन कोष कार्यालय से बिल में आब्जेक्शन आया उसी दिन आब्जेक्शन क्लीयर हो गया, उसी दिन टोकन भी कट गया और उसी दिन बिल पास हो कर खाते में राशि भी आ गई। उप जिला कोष कार्यलय सागवाड़ा के मितेश शाह ने बताया कि बिलों में जो आब्जेक्शन आते थे वह दूसरे दिन क्लीयर किये गये थे। इधर, जिला कोषाधिकारी जितेन्द्र मीणा ने भी बताया कि बिलों में पेराफेरी की गई है। बिलों पर फर्जी हस्ताक्षर भी किये गये है।

3 हजार रुपए की रिश्वत लेते वेड नाका का वनरक्षक रंगे हाथों गिरफ्तार

लकड़ी काटने की मशीन जब्त कर जेल में बंद करने की धमकी देकर मांगी थी रिश्वत

डूंगरपुर। 2 सीआई और 2 कांस्टेबल के बाद अब वेड नाका का वनरक्षक 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार हुआ है। वनरक्षक परिवादी को लकड़ी काटने की मशीन जब्त कर जेल में डालने की धमकी देकर रिश्वत की मांग कर रहा था। एसीबी की टीम आरोपी वनरक्षक से पूछताछ कर रही है।

एसीबी डूंगरपुर - बांसवाड़ा के एएसपी माधोसिंह सोढा ने बताया की परिवादी जितेंद्र कुमार निवासी ने एक शिकायत दर्ज करवाई थी। इसमें बताया की आरोपी वासुदेव खांट वेड वन नाका का वन रक्षक है। वनरक्षक की ओर से लकड़ी काटने की मशीन जब्त कर जेल में डालने की धमकियां दे रहा था। इसके एवज में वनरक्षक उससे 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। रिश्वत नहीं देने पर उसे धमकी दी। एएसपी ने बताया की जितेंद्र कुमार की शिकायत का सत्यापन करवाया गया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी की टीम आज शुक्रवार को ट्रेप की कार्रवाई के लिए पहुंची। एसीबी ने परिवादी जितेंद्र कुमार को रिश्वत के 3 हजार रुपए देकर वनरक्षक वासुदेव खांट के पास भेजा। वनरक्षक ने रिश्वत की राशि ले ली। इशारा मिलते ही एसीबी के एएसपी मधोसिह सोढा समेत टीम पहुंच गई और वन रक्षक वासुदेव खांट को रंगे हाथो गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से रिश्वत में दी गई राशि भी जब्त कर ली है। वही एसीबी की एक टीम आरोपी वनरक्षक वासुदेव के राजपुर भिलुडा में उसके घर की तलाशी भी ली रही है। एसीबी की ओर से फिलहाल कार्रवाई चल रही है।

राजस्थान में कोरोना के मामलों में अचानक आया उछाल

जयपुर। राजस्थान में कोरोना संक्रमितों की संख्या में उतार-चढ़ाव का सिलसिला बरकार है। गुरुवार को यहां 135 नए कोरोना संक्रमित मिले। पिछले तीन दिन में प्रदेश में 100 से अधिक मामले सामने आए। इससे पहले सोमवार को प्रदेश में 67 कोरोना संक्रमित सामने आए थे। चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 24 घंटे में जयपुर जिले में सर्वाधिक 48 नए केस मिले। अन्य जिलों में बीकानेर में 16, जोधपुर में 13, अजमेर में 11, दौसा में 10, अलवर में 9, उदयपुर में 7, भीलवाड़ा,नागौर में 4-4, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, टोंक में 2-2, राजसमंद, सिरोही, बारां, चित्तौडगढ़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में 1-1 केस मिले है। राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1287554 हो गई है। इससे अबतक 9561 मौत हुई है। वर्तमान में यहां 751 एक्टिव केस है। सर्वाधिक एक्टिव केस जयपुर जिले में 300 है।

2 सीआई, 2 कांस्टेबल रिश्वत केस

3 दिन छानबीन के बाद एसीबी की टीम रवाना, एसपी से अभी नही हुई पूछताछ

डूंगरपुर। शराब व्यापारियों से मासिक बंदी और सेटलमेंट के एवज में 2 सीआई और 2 कांस्टेबल रिश्वत केस में जांच के बाद एसीबी की टीम वापस उदयपुर चली गई। तीन दिन में एसीबी ने कई गवाहों के बयान दर्ज किए तो कई नए साक्ष्य जुटाए है। हालाकि मामले में एसपी से अभी तक पूछताछ नहीं हुई है।

एसीबी सभी साक्ष्य को पुख्ता करने के बाद ही आगे की कार्रवाई करेगी। एसीबी ने 16 जून को 3 लाख 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते कोतवाली सीआई दिलीपदान चारण, धंबोला सीआई भैयालाल आंजना, कांस्टेबल भोपाल सिंह और कांस्टेबल जगदीश को रंगे हाथो गिरफ्तार किया था। जबकि तलाशी में कोतवाली थाने में रखी कांस्टेबल भोपाल सिंह की अलमारी से रिश्वत में लिए 5 लाख रुपए भी बरामद किए थे। ये रिश्वत एसपी के नाम पर ली जा रही थी। दोनों सीआई और 2 कांस्टेबल को एसीबी कोर्ट ने जेल भेज दिया है। मामले में एसपी की भूमिका की जांच के लिए एसीबी के एडिशनल एसपी चंद्रशील ठाकुर समेत टीम 22 जून को डूंगरपुर पहुंची। एसीबी की टीम ने शराब व्यापारी चंदूलाल फोजी ओर नरेंद्र सिंह से पूछताछ की। वही केस से जुड़े कई सबूत जुटाए। इसके अलावा रिश्वत केस से जुड़े सभी जांच, गवाहों के बयान दर्ज कर लिए गए। वही एसीबी ने सीसीटीवी फुटेज को भी एविडेंस के रूप में लिया है। हालाकि एसीबी की ओर से किन किन लोगो के बयान लिए है। इसके बारे में अभी नही बताया है।

एएसपी चंद्रशील ठाकुर ने बताया की अभी एसपी सुधीर जोशी से पूछताछ नहीं हुई है। मामले में अभी आरोपी सीआई और कांस्टेबल से भी पूछताछ होगी। इसके बाद रिश्वत केस की पूरी रिपोर्ट एसीबी मुख्यालय को पेश की जाएगी। वहीं सबूतो के आधार पर आगे एसपी से पूछताछ होगी। ऐसे में पुलिस अफसरों की निगाहे भी रिश्वत केस की हर कड़ी और जांच पर टिकी हुई है।

लावटखोर की सूचना दो, 51 हजार लो

डूंगरपुर में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान; 11 दिन में लिए 14 सैम्पल

डूंगरपुर। डूंगरपुर में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में 11 दिनों में खाने-पीने के सामान के 14 सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। मिलावटी सामान मिलने पर ऐसे व्यापारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। मिलावटी सामान बेचने वाले की सूचना देने वाले को 51 हजार का इनाम भी मिलेगा।सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा ने बताया की जिले में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान 10 जून से चलाया जा रहा है। अभियान में अब तक दूध, दही, घी, तेल, मसाले समेत कई तरह के खाने पीने के सामान के 14 सैम्पल लिए गए हैं। फूड इंस्पेक्टर अजय मौयल ने बताया कि अभियान में कनबा से सूजी, बिछिवाडा से बेसन का सैम्पल लिए हैं। वही चावल का एक, मूंगफली तेल के 6, दाल का 1, सोस का 1, घी का 1, आइसक्रीम का 1, फूट ड्रिंक का 1, सूजी का 1 व बेसन का 1 सैंपल लिया हैं। इन सभी सैंपल को जांच के लिए बांसवाड़ा फूड लेबोरेट्री भेजे गए है। फूड सैंपल की रिपोर्ट मिलने के बाद अगर किसी सामग्री में मिलावट मिलती है तो ऐसे व्यापारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा ने कहा की मिलावटी सामान बेचने वालो की शिकायत कोई भी कर सकता है। इसकी सूचना 2964 -232486 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। वहीं सूचना सही मिलने पर उसे इनाम के तौर पर 51 हजार रुपये भी दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि जिले में इस साल में अब तक 178 सैम्पल लिए गए, जिसमे से 47 सैम्पल फेल हुए हैं।

महाराणा प्रताप के लिए जब कोई अपशब्द बोलता है तो मन को बहुत पीड़ा होती है

उदयपुर में मीट द प्रेस कार्यक्रम में बोले राज्यपाल के पर्यटन सलाहकार लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब उदयपुर के मीट द प्रेस कार्यक्रम का आगाज शुक्रवार को मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और राज्यपाल के पर्यटन सलाहकार लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से सीधी बात के साथ किया। शहर के अमृत श्री कॉप्लेक्स के होटल श्रीनंदा में आयोजित मीट द प्रेस की शुरूआत लेकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष कपिल श्रीमाली ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के अभिनंदन के साथ की। लक्ष्यराज सिंह से सवाल पूछा कि जब महाराणा प्रताप के खिलाफ कोई गलत बोलता है तो आपके अंदर कैसे भाव पैदा होते हैं? जवाब में लक्ष्यराज सिंह ने कहा कि जब कोई महाराणा प्रताप के लिए अपशब्द बोलता है तो मन में बहुत पीड़ा होती है। महाराणा प्रताप ने स्वतंत्रता शब्द को जन्म दिया। देश की आजादी की अलख जगाई। उन्होंने कहा कि असली राष्ट्रवाद क्या होता है यह हम सब महाराणा प्रताप से सीख सकते हैं। हमारी भावी पीढ़ी को भी हमारी मिट्टी की तरफ, हमारी संस्कृति की तरफ वापस लाना होगा।

मेवाड़ का गौरव समूचे उदयपुर की कामयाबी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने उदयपुर ने अपना नाम देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में स्थापित किया है, जो समूचे मेवाड़ की कामयाबी को दर्शाता है। इसका श्रेय प्रत्येक उदयपुरवासी को जाता है। इस गौरव को स्थापित करने में कई साल लगे हैं, लेकिन हमें इसे केवल पर्यटन नगरी तक ही सीमित नहीं करना चाहिए। इसमें और भी कई चीजें हैं। उन्होंने कहा कि मेवाड़ को दुनिया इसकी सांस्कृतिक विविधता के लिए भी पहचानती है। अब यह धीरे-धीरे शिक्षा व मेडिकल हब के रूप में स्थापित होता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक उदयपुर को पूर्व का वेनिस नाम से जानती है, हमारी सफलता तब है जब वेनिस वासी यह कहें कि हम पश्चिम के उदयपुर हैं।

जल जीवन मिशन के धीमे काम पर सांसद नाराज

अफसरों को लगाई फटकार, बोले- 2023 में कैसे मिलेगा हर घर को पानी

डूंगरपुर। जल जीवन मिशन के तहत 2023 तक हर घर में पानी का कनेक्शन देना है। लेकिन योजना में काम धीमी गति से चल रहा है। केंद्र सरकार की इस योजना में धीमे काम पर सांसद नाराज हुए और अफसरों को फटकार लगाई।बांसवाडा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा ने केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा की। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला परिषद सभागार में हुई। एडीएम हेमेन्द्र नागर, जिला परिषद सीईओ दीपेन्द्रसिंह राठौड़ सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। सांसद कनकमल कटारा ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति की समीक्षा की। सांसद कटारा ने अधिकारियो को केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीन पर सफल बनाने और आमजन को इसका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। सदस्यों ने स्वास्थ्य विभाग में खाली पद के चलते हो रही परेशानी बताई। सीएमएचओ डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतरीन बनाने के हर संभव प्रयास ही रहे हैं। वहीं रिक्त पदों को लेकर स्वास्थ्य विभाग जयपुर को डिमांड भेज रखी है। बिजली निगम के दो नए जीएसएस निर्माण की प्रगति पर बताया कि दोनों ही जीएसएस के लिए भूमि आवंटन हो चुका है। जल्द ही निर्माण पूरा कर गरीब जनता को इसका फायदा मिलने लगेगा।

सांसद ने जनता जल योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। वहीं अधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के जिम्मेदार अधिकारियों के मुख्यालय उदयपुर और बांसवाड़ा जिले में होने से उनका समय तो आने जाने में ही खर्च हो जाता है। केंद्र की घोषणा के अनुसार साल 2023 में हर घर को पेयजल दिलाने की घोषणा कैसे पूरी होगी। सांसद कनकमल कटारा ने रतलाम, स्वरूपगंज ने 927, के निर्माण में लाइनिंग टेडी मेढी डालने की शिकायत पर मामले को दिखवाने निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बाल संरक्षण संकल्प यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

* गांव-ढ़ाणियों तक पहुंचेगी बाल संरक्षण योजनाओं की जानकारी
* बाल विवाह, बाल श्रम, बाल हिंसा व यौन हिंसा की रोकथाम के बारे में करेगी जागरूक

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर बाल संरक्षण संकल्प यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि सात जिलों की 140 ग्राम पंचायतों में इस यात्रा के द्वारा राज्य सरकार द्वारा बाल संरक्षण हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा ताकि गांव-ढ़ाणी तक बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता लाई जा सके व कोई भी बच्चा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री बाल अधिकारिता विभाग, यूनिसेफ व पिंकसिटी साइकिल रिक्शा चालक संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि बच्चे हमारी अमूल्य धरोहर है तथा बच्चों के सामाजिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य विकास के साथ उन्हें संरक्षण प्रदान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार बाल यौन हिंसा, बाल विवाह, बाल मजदूरी के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। बाल संरक्षण संकल्प यात्रा के अंतर्गत हर 20 दिन बाद बाल मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी विभाग भाग लेंगे। मेले में ग्राम भ्रमण के दौरान पात्र व्यक्तियों को योजनाओ से लाभांवित करने हेतु चिन्हित कर लिए गए आवेदनों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा व संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना, वात्सल्य योजना, उत्कर्ष योजना, गोराधाय ग्रुप बालक देखभाल योजना, बाल मित्र योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री हुनर विकास योजना, पालनहार आवासीय छात्रावास योजना, बाल गृह, उड़ान योजना, शिक्षा सेतु योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जैसी महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही हैं। आमजन तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाना हमारा दायित्व है। स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रोनिक मीडिया का भरपूर सहयोग इस पुनीत कार्य में लिया जाना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के रख-रखाव मद में वृद्धि करते हुए राजकीय एवं गैर-राजकीय अनुदानित गृहों में प्रति आवासी व्यय 2938 रूपए कर दिया गया है। प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड का गठन किया गया है। कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत बेसिक कम्प्यूटर, मोबाईल रिपेयरिंग और जीवन कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 8 जिलों में सुरक्षित अभिरक्षा गृह की स्थापना की गई है। गहलोत ने कहा कि पालनहार योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 5.50 लाख से अधिक बच्चों के भरण-पोषण व शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत लाखों बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। बच्चों के विरूद्ध यौन अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस तंत्र को मजबूत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल संरक्षण व बाल कल्याण के क्षेत्र में सरकार के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य कर रहे अच्छे एनजीओ साधुवाद के पात्र है तथा सरकार के द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हालांकि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है परंतु जानकारी के अभाव में गांव-ढ़ाणी तक इनका लाभ नहीं पहुंच पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए प्रेरक योजना के माध्यम से सरकार द्वारा 2000 युवाओं को जनकल्याण की विभिन्न योजनाओं को लाभार्थी तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। सरकार के पास संसाधन होते है परंतु एनजीओ के कार्यकर्ता एक भाव के साथ जुड़ते है जिससे योजना सफल हो जाती है। वर्तमान राज्य सरकार एनजीओ को प्रोत्साहन देने वाली सरकार है तथा शासन में एनजीओ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

राजनीति की पहली सीढ़ी पार्षद,भ्रष्टाचार में ट्रेप

जयपुर। भीलवाड़ा में बुधवार को महिला पार्षद लक्ष्मी देवी और उनके पति मुकेश सेन को 1.50 लाख रिश्वत लेते पकड़ा गया। पिछले हफ्ते सुल्तानपुर में भी पार्षद शिवा प्रजापति को 50 हजार की घूस लेते पकड़ा गया था। वर्ष 2019 से 2021 तक 3 सालों में 15 पार्षद एसीबी की गिरफ्त में आए। वर्ष 2019 में एसीबी में सिर्फ 2 केस थे, जो 2021 में बढ़कर 10 हो गए। इसमें भाजपा, कांग्रेस के अलावा निर्दलीय पार्षद भी शामिल हैं। प्रदेश में प्रमुख सरकारी महकमों की बात की जाए तो जनवरी 2016 से नवंबर 2021 तक 6 साल में प्रदेश में 60% तक भ्रष्टाचार बढ़ा है। बूंदी नगर परिषद के कांग्रेस पार्षद रोहित बैरागी को मई 2021 में 1.50 लाख की रिश्वत लेते ट्रैप किया गया। रिश्वत स्ट्रिप ऑफ लैंड में मकान निर्माण कार्य करने देने और परेशान नहीं करने की एवज में ली गई। सुल्तानपुर से पार्षद (पहले वार्ड पंच) शिवा प्रजापति ने 7 दिन पहले 50 हजार की रिश्वत ली। घूस ठेकेदार द्वारा करवाए जा रहे सीसी, नाली जैसे विकास कार्यों में कमिशन के रूप में थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ। कोटा दक्षिण नगर निगम के वार्ड-10 के कांग्रेस पार्षद कमल मीणा व उसके दो दलालों को जुलाई 2021 में 5 हजार रुपए लेते ट्रैप किया गया। घूस सफाई कर्मचारी की हाजिरी भरने के एवज में मासिक बंधी के रूप में ली। जयपुर हैरिटेज नगर निगम के वार्ड नंबर 6 से निर्दलीय पार्षद जाहिद निर्बाण को 7 माह पहले 20 हजार लेते पकड़ा। घूस भवन निर्माण की परमिशन दिलवाने की एवज में ली गई थी। अलवर नगर परिषद कांग्रेस सभापति बीना गुप्ता को नवंबर 2021 में 80 हजार लेते पकड़ा। रिश्वत पेंडिंग बिल पास कराने के एवज में थी।